गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक: 239
दि.30.12.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

उन्नाव रेप केसः कुलदीप सेंगर की जमानत पर रोक

सीजेआई बोलेः जज से भी गलती हो सकती है; पीड़ित रोई, कहा- फांसी दिलाऊंगी

उन्नाव,एजेंसी। उन्नाव रेप केस में रेपिस्ट पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट ने सेंगर को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा। मामले में 4 हफ्ते बाद सुनवाई होगी। सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर को जमानत दी थी।

जमानत के खिलाफ CBI ने सुप्रीम कोर्ट में 3 दिन पहले याचिका लगाई थी। सोमवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में सुनवाई हुई। बेंच ने दोनों पक्षों की करीब 40 मिनट तक दलीलें सुनीं। CJI ने कहा- हाईकोर्ट के जिन जजों ने सजा सस्पेंड की, वे बेहतरीन जजों में गिने जाते हैं, लेकिन गलती किसी से भी हो सकती है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- कोर्ट को लगता है कि मामले में अहम सवालों पर विस्तार से विचार जरूरी है। आमतौर पर कोर्ट का सिद्धांत है कि किसी दोषी या विचाराधीन कैदी को रिहा कर दिया गया हो, तो बिना उसे सुने ऐसे आदेशों पर रोक नहीं लगाई जाती, लेकिन इस मामले में परिस्थितियां अलग हैं। क्योंकि आरोपी दूसरे मामले में पहले से दोषी ठहराया जा चुका है। ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश पर रोक लगाई जाती है।

इससे पहले, कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- ये भयावह मामला है। धारा-376 और पॉक्सो के तहत आरोप तय हुए थे। ऐसे मामलों में न्यूनतम सजा 20 साल की कैद हो सकती है, जो पूरी उम्र की जेल तक बढ़ाई जा सकती है।

पीड़ित फूट-फूटकर रोई

इधर, सुप्रीम कोर्ट का आदेश सुनते ही पीड़ित फूट-फूटकर रोने लगी। एक्टिविस्ट योगिता भैयाना और अन्य महिलाओं ने उसे संभाला। इसके बाद पीड़ित ने कहा- मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा। मैं इस लड़ाई को जारी रखूंगी। उसे फांसी की सजा दिलाऊंगी, तब जाकर हमारे परिवार को इंसाफ मिलेगा।

अब कोर्टरूम में 2 मुख्य दलीलें

CJI सूर्यकांत ने कहा- इस मामले में एक गंभीर कानूनी सवाल है, जिस पर विचार जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा- हाईकोर्ट का आदेश जिन जजों ने दिया है, वे देश के बेहतरीन जजों में गिने जाते हैं, लेकिन गलती किसी से भी हो सकती है।

- ऐसा कैसे हो सकता है कि POCSO कानून के तहत एक पुलिस कॉन्स्टेबल को लोक सेवक माना जाए, लेकिन किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि जैसे विधायक या सांसद को इस दायरे से बाहर कर दिया जाए। अदालत को यह असमानता परेशान कर रही है।
- जस्टिस जेके माहेश्वरी ने सवाल उठाया कि हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह साफतौर पर कहा भी है या नहीं कि आरोपी धारा 376(2)(i) के तहत दोषी है या नहीं। इस पर वरिष्ठ वकील हरिहरन ने कहा कि किसी कानून में दूसरे कानून से परिभाषा उधार लेकर लागू नहीं की जा सकती।

अरावली केसः सुप्रीम कोर्ट की अपने ही आदेश पर रोक, 21 जनवरी तक खनन भी नहीं होगा

राजस्थान सहित 4 राज्यों से जवाब मांगा

जयपुर ,एजेंसी। अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश (20 नवंबर को जारी) पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 21 जनवरी 2026 को होगी, तब तक खनन भी नहीं होगा। कोर्ट ने कहा है कि एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए, जो जांच करेगी। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी।

कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर अपने स्वतः संज्ञान मामले पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी है।

आज (सोमवार) मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एजी मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने अरावली केस की सुनवाई की। CJI सूर्यकांत ने निर्देश दिया है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें और उन पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई आगे की टिप्पणियां फिलहाल स्थगित रहेंगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया जाएगा।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा- गलतफहमियां फैलाई जा रहीं : सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था।

कोर्ट ने कहा- अदालत की टिप्पणियों का गलत अर्थ निकाला जा रहा

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। CJI ने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे।

सिब्बल का केंद्र से सवाल-क्या 33 बीएलओ की मौत सही

लिखा- बंगाल में एक और बीएलओ ने सुसाइड किया; स्कूल में हेड मास्टर का शव मिला

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद कपिल सिब्बल ने देश के अलग-अलग राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLO) की मौत पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को X पोस्ट में सवाल करते हुए लिखा- बंगाल में एक और BLO की आत्महत्या, पूरे देश में अब तक कुल 33 मौतें, एक कथित घुसपैठिया ठीक नहीं, लेकिन 33 BLO की मौत ठीक है सिब्बल का यह पोस्ट पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में BLO के सुसाइड पर आया है। 28 दिसंबर को राजकाटा इलाके के स्कूल से BLO हराधन मंडल का शव बरामद हुआ। उनके पास बूथ नंबर 206 का प्रभार था। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला। इसमें SIR के काम के दबाव का जिक्र था। मीडिया रिपोर्ट्स और विपक्ष के मुताबिक पश्चिम बंगाल में अबतक 6 बीएलओ की SIR के दौरान मौत हो चुकी है। मध्य प्रदेश में 9, उत्तर प्रदेश में 4, गुजरात में 4, राजस्थान में 3, बिहार में 2, महाराष्ट्र में 2, तमिलनाडु, केरल और ओडिशा में 1-1 बीएलओ की मौत का दावा है। पंखे से लटका मिला था बीएलओ का शव हराधन मंडल घर से सुबह करीब 10 बजे निकले थे। जब देर तक घर नहीं लौटे तो परिजन तलाशते हुए स्कूल पहुंचे। वहां पर उन्हें मंडल का शव स्कूल के क्लासरुम में पंखे से लटका हुआ मिला। सुसाइड से पहले बीएलओ ने नोट लिखा जिसमें उन्होंने कहा- मैं अब और दबाव नहीं झेल सकता। सुसाइड के लिए मैं खुद जिम्मेदार हूं किसी और का दोष नहीं है। मेरी गलती है।

11 राज्यों का SIR पूरा, फाइनल ड्राफ्ट रोल में 3.69 करोड़ वोटर्स हटे

देश में अब तक SIR प्रक्रिया के तहत 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट सूची जारी हो चुकी है। इसमें कुल 3.69 करोड़ वोटर्स के नाम हटे हैं। मध्यप्रदेश में 42.74 लाख, छत्तीसगढ़ में 27.34 लाख, केरल में 24.08 लाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 3.10 लाख वोटर्स के नाम कटे हैं। पश्चिम बंगाल में 58.20 लाख, राजस्थान में 41.85 लाख, गोवा में 11.85 लाख, पुडुचेरी में 1.03 लाख, लक्षद्वीप में 1,616, तमिलनाडु में 97 लाख और गुजरात में 73 लाख वोटर्स के नाम कटे हैं।

आंध्र प्रदेश में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस में आग, 1 की मौत

2 एसी कोच जले

विशाखापट्टनम,एजेंसी। विशाखापट्टनम से करीब 66km दूर येलमंचिली में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस ट्रेन के दो डिब्बों में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रविवार रात 12:45 बजे ट्रेन में आग लगने की खबर मिली। उस वक्त ट्रेन आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली में येलमंचिली रेलवे स्टेशन पर पहुंच गई थी। जब ट्रेन में आग लगी, तो दोनों कोच में से एक में 82 और दूसरे में 76 यात्री थे। पुलिस को B1 कोच से एक शव मिला। मरने वाले की पहचान 70 साल के चंद्रशेखर सुंदरम के रूप में हुई है। जले हुए कोच अलग करके ट्रेन को एर्नाकुलम रवाना कर दिया गया। यात्रियों को दूसरे साधनों से उनके गंतव्य तक भेजा जाएगा। दो फोरेंसिक टीमें आग लगने के कारणों का पता लगा रही हैं।

ललित मोदी ने वायरल वीडियो पर माफी मांगी

लिखा- मैं भारत सरकार से माफी मांगता हूं; कहा था- मैं और माल्या भारत के सबसे बड़े भगोड़े

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत में आर्थिक अपराधी घोषित ललित मोदी का 22 दिसंबर को वीडियो सामने आया था। इसमें वो भगोड़े विजय माल्या के साथ नजर आए थे। इसमें ललित ने खुद को और माल्या को भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े कहा था। अब ललित ने अपने वीडियो पर माफी मांगी है। X पोस्ट में ललित ने लिखा- मेरे बयान से यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हों, खासकर भारत सरकार की, तो मैं इसके लिए माफी चाहता हूं।

शाह बोले-असम जैसे पूरे देश से घुसपैठिए भगाएंगे

असम के स्वतंत्रता-सेनानी गोपीनाथ ने असम को भारत में बनाए रखने के लिए नेहरू को मजबूर किया

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के नौगांव में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बटाद्रवा स्थान पुनर्विकास परियोजना का उद्घाटन करने पहुंचे। कार्यक्रम में शाह ने कहा- हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख जमीन बीघा जमीन मुक्त करवा दी है। इसी तरह पूरे देश से हम घुसपैठियों को भगाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि आज मैं गोपीनाथ बोरदोलोई जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे नहीं होते, तो आज असम और पूरा नॉर्थ ईस्ट भारत का हिस्सा नहीं होता। शाह ने कहा कि गोपीनाथ ने ही जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में बनाए रखने के लिए मजबूर किया था।

227 करोड़ की बटाद्रवा परियोजना का शुभारंभ किया: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बटाद्रवा थान में 227 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित श्रीमंत शंकरदेव आविर्भाव क्षेत्र का उद्घाटन किया। यह स्थान असम के महान वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि है। अमित शाह का पारंपरिक सत्रिया नृत्य और संगीत के साथ स्वागत किया गया।

उन्होंने गुरु आसन (पूजनीय गद्दी) वाले मुख्य भवन में जाकर दर्शन भी किए।

अमित शाह बोले-

- केंद्र सरकार ने उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौते किए हैं, जिनमें से 92त्न शर्तें पूरी की जा चुकी हैं। असम में शांति और विकास की स्थिति मजबूत हुई है।
- बटाद्रवा थान को नव-वैष्णव धर्म का केंद्र है। यह जगह असम की सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। परियोजना से पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।
- असम में केंद्र सरकार के प्रयासों से शांति, विकास और सांस्कृतिक संरक्षण हो रहा है। गुवाहाटी में नई सुरक्षा व्यवस्था से शहर सुरक्षित बनेगा।
- एक बार फिर असम की जनता भाजपा को अपना समर्थन दे। हम पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। जो लोग घुसपैठियों को वोट बैंक मानते हैं, वे ऐसा कभी नहीं कर सकते।
- असम ने डॉ. मनमोहन सिंह जी को राज्यसभा भेजा, लेकिन वे केवल 7 बार ही असम आए, जिनमें से 2 बार तो केवल राज्यसभा का नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आए थे।

जमशेदपुर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म,ओल चिकी लिपि के डेवलपमेंट की सराहना की

पूर्वी सिंहभूम,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को जमशेदपुर के करनडीह स्थित दिशोम जाहेरथान प्रांगण में आयोजित 22वें संताली परसी माहा एवं ओल चिकी लिपि शताब्दी समारोह में संथाली भाषा में गीत गाकर माहौल को सुरमयी बना दिया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत संथाली नेहोर गीत जोहार जोहार आयोज से की, जिसे उन्होंने लगभग तीन मिनट तक गाया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोग मंत्रमुग्ध होकर राष्ट्रपति को सुनते रहे।

ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन और दिशोम जाहेरथान कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि करनडीह आने से पहले उन्होंने जाहेर आयो को नमन किया और गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने जीवन संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के लोगों का प्रेम और इष्टदेवों का आशीर्वाद ही उन्हें इस मुकाम तक लेकर आया है। राष्ट्रपति ने ओल चिकी लिपि को संथाली समाज की पहचान, आत्मसम्मान और एकता का मजबूत आधार बताया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने ऑल इंडिया संताली राइटर्स एसोसिएशन के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन वर्षों से आदिवासी स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

राष्ट्रपति ने संविधान के संथाली (ओल चिकी) अनुवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कानून और अधिकारों की जानकारी मातृभाषा में होती है, तब समाज सशक्त बनता है और अज्ञानवश निर्दोष लोगों को सजा से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संथाली भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल है, इसलिए देश को चलाने वाले नियम और कानून की जानकारी भी संथाली समाज को अपनी भाषा में मिलनी चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि कानून की जानकारी के अभाव में कई निर्दोष लोग जेल तक पहुंचे हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में संथाल समाज के लोग रहते हैं और शिक्षित युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

यूपी में 12वीं तक स्कूल एक जनवरी तक बंद रहेंगे, 45 शहरों में धूप नहीं निकली

अगले 3 दिन तक भयंकर ठंड पड़ेगी

लखनऊ,एजेंसी। यूपी में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को आगरा, गोरखपुर, कानपुर समेत 45 जिले घने कोहरे की चपेट रहे। 18 जिलों में कोहरा इस कदर था कि कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। विजिबिलिटी शून्य पहुंच गई हैं।

लखनऊ में धूप नहीं निकली। भयंकर ठंड के चलते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। ओस की बूंदें बारिश जैसी पड़ रही थीं। गोरखपुर-बलिया में सुबह सड़क और फर्श भीगी नजर आई। आगरा में कोहरे में ताजमहल छिप गया। मेरठ सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का पारा 5.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। गोरखपुर, जालौन, वाराणसी रेलवे स्टेशनों पर 50 से ज्यादा ट्रेनें 2 से 10 घंटे की देरी से पहुंचीं। गोरखपुर एयरपोर्ट पर 4 फ्लाइट लेट आई।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में नर्सरी से 12वीं तक सभी स्कूल-कॉलेज एक जनवरी तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले 13 जिलों के डीएम ने 31 दिसंबर तक स्कूलों की छुट्टी बढ़ाई थी।

मौसम विभाग (IMD) ने 2-3 दिनों तक भयंकर ठंड की चेतावनी जारी की है। बताया- सोमवार को लखनऊ-वाराणसी और प्रयागराज समेत 38 जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहेगा। जबकि 37 जिलों में बहुत अधिक घना कोहरा रहेगा। लोगों को बेवजह यात्रा करने से बचने की सलाह दी है।

बुलंदशहर में कोहरे के चलते ब्रेजा कार सड़क किनारे लगे नल से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई।

जी राम जी से राज्यों को 17,000 करोड़ फायदा होगा, एसबीआई का दावा- यूपी, बिहार और महाराष्ट्र को ज्यादा फायदा

नई दिल्ली,एजेंसी। ग्रामीण इलाकों में रोजगार की गारंटी देने वाले नए कानून विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (VB-G RAM G) से राज्यों की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, फंडिंग पैटर्न में बदलाव के बावजूद राज्यों को सामूहिक रूप से करीब 17,000 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ होने की उम्मीद है।

नए कानून से ज्यादा काम मिलेगा : सरकार ने कहा कि नए कानून में हर ग्रामीण परिवार को अब साल में 125 दिन काम देने की गारंटी होगी, जो पहले 100 दिन थी। इससे गांवों में रहने वाले परिवारों को ज्यादा काम मिलेगा और उनकी आर्थिक सुरक्षा मजबूत होगी। कानून की धारा 22 के तहत इस योजना के खर्च को केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर वहन करेंगी। सामान्य राज्यों में खर्च का बंटवारा 60 प्रतिशत केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य के बीच होगा। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों, पहाड़ी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों- जैसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में केंद्र सरकार 90 प्रतिशत खर्च उठाएगी।

धारा 6 के अनुसार, राज्य सरकारें खेती के व्यस्त समय, जैसे बुवाई और कटाई के दौरान, साल में अधिकतम 60 दिनों तक इस योजना के तहत मिलने वाले काम को नियंत्रित कर सकेंगी।

60:40 फंडिंग रेश्यो से राज्यों पर बोझ नहीं बढ़ेगा

इस कानून को लेकर सबसे बड़ी बहस इसके फंडिंग स्ट्रक्चर पर थी। नए नियमों के मुताबिक, केंद्र और राज्यों के बीच फंड का बंटवारा 60:40 के अनुपात में होगा। हालांकि, पूर्वोत्तर राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और हिमालयी राज्यों के लिए यह नियम अलग होगा। SBI की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ लोग इसे राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ मान रहे हैं, लेकिन डेटा बताता है कि असल में राज्यों को इससे फायदा ही होगा।

यूपी, महाराष्ट्र और बिहार को सबसे ज्यादा फायदा

SBI ने पिछले 7 सालों (FY19-FY25) के मनरेगा आवंटन के साथ नए सिस्टम की तुलना की है। रिपोर्ट के मुताबिक- उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र को सबसे ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है।
बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात भी बड़े फायदे वाले राज्यों की लिस्ट में शामिल हैं।
तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों में मामूली कमी दिख सकती है, लेकिन अगर पिछले साल के विशेष आंकड़ों को हटा दें, तो वहां भी स्थिति स्टेबल है।

ये किनकी सांसों के सौदे

संपादकीय

लड़ाई के योद्धा न डाक्टरों की हड़ताल और न ही किसी डाक्टर की बर्खास्तगी से तय हुए, मगर पूरे प्रदेश की पूरी-पूरी जनता आहत हुई हर बार। इस बीमारी के लक्षण केवल आईजीएमसी में ही मिले हों, सही नहीं होगा। बीमारी के लक्षण सरकारी इलाज के तरीकों या सरकार के फायदों को भुनाती जनता में ही हैं। हम काबिल डाक्टर की खोज में बीमार होते हैं या मरीजों की शुमारी में खुद डाक्टर परेशान होते हैं। परेशानियों का सबब यह कि अस्पतालों की गुंडई में जोर जबरदस्ती का नारा है। करीब तीन हजार सरकारी डाक्टर इसलिए अस्पतालों से गैर हाजिर हैं, क्योंकि उनके सहयोगी डाक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है। यह किस्सा इतना भी नर्म नहीं है कि सरकार सख्त न होती और इतना भी स्वाभाविक नहीं कि किसी एक पक्ष को कमजोर आंक लें। ताकत डाक्टरी पेशे ने उस वक्त दिखाई होगी, जब एक मरीज को दुश्मन माना गया होगा। जब अस्पताल की चटाई या बिस्तर की लंबाई में मरीज छोटा हो जाए, तो डाक्टरी का प्रोफेशन खुदा से भी ऊपर अपनी ताकत बताता है। इसी ताकत के आगे आए दिन मेडिकल कालेजों तक में व्यवस्था हारती है, लेकिन डाक्टर एक कैबिन है-पिंजरा नहीं। उसकी क्षमता और दक्षता में अंतर है। यही अंतर चिकित्सा सेवाओं का अंतर्विरोध बन जाता है। फर्ज के लिखित संदेश व्यावहारिक नहीं होते, क्योंकि दुनिया बीमार है। हमने डिस्पेंसरी छोड़ी, ताकि सिविल अस्पताल बेहतर साबित हो। नागरिक अस्पताल छोड़ा ताकि जोनल या क्षेत्रीय अस्पताल में दक्षता मिल जाए और अब सारा हिमाचल गिन रहा है मेडिकल कालेज। शायद इसीलिए आईजीएमसी के बिस्तर पर लेटा मरीज अपने जीने के अरमानों को मेडिकल कालेज के दर पर ले आया था। इसमें दो राय नहीं कि मरीज का आचरण आक्रोश नहीं, लेकिन हर मरीज बेहोश नहीं होता। मामला डाक्टर और मरीज बन जाए, तो इस जीत-हार में सिर्फ विश्वास हारता है।डाक्टर मरीजों पर नजर रखेंगे कि कहीं कोई बिगड़ा मरीज या उसका तीमारदार न निकल आए और मरीज डरेगा कि कहीं डाक्टर का हाथ न उठ जाए। यह भी एक विडंबना है कि पहले डाक्टर अपने तौर पर मरीज का मनोविज्ञान और चिकित्सा विज्ञान हाथ से टटोलते थे, लेकिन अब बीमारी की सारी अर्जियां इतनी मेहनत कराती हैं कि चिकित्सा पद्धति, यातना की मजदूर बना देती है।

उच्च शिक्षा का हाल- बेहाल

डॉ योगेन्द्र

केंद्र सरकार को सपना आया कि अगर राजभवन को लोकभवन कर दिया जाये तो क्रांति हो जायेगी।लोकभवन सत्य पर सवार हो जायेगा और सभी काम समय पर संपादित किए जायेंगे। लेकिन इसका हाल देखिए। ति मां भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति की कुर्सी पांच माह पूर्व खाली हो गयी और लोकभवन में बैठे हुए लोग आज तक कुलपति नियुक्त नहीं कर पाये। वे कुलपति का प्रभार किसी और विश्वविद्यालय के कुलपति को सौंप कर कान में तेल देकर सोये रहते हैं। लोकभवन में बैठे हुए कुलाधिपति को मालूम रहता है कि अमुक तारीख को कुलपति रिटायर्ड हो जायेंगे तो फिर वे समय के साथ कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया क्यों नहीं शुरू करते? किसका इंतज़ार रहता है? इतनी लापरवाही क्यों है? जो लोकभवन समय के साथ कुलपति नियुक्त नहीं कर सकता , वह विश्वविद्यालयों की देखरेख क्या करेगा? उच्च शिक्षा को गर्त में ले जाने वाले में से एक कुलाधिपति भी हैं। इस लोकभवन की लापरवाही से बिहार के विश्वविद्यालय बर्बाद हो रहे हैं। इस भवन ने ऐसे ऐसे कुलपति नियुक्त किए हैं, जिन्हें शिक्षा से शायद ही कुछ लेना देना हो। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति नियुक्त हुए हैं। उन पर तरह तरह के आरोप हैं। एक निजी इंजीनियरिंग कालेज में कार्यरत शिक्षक सीधे प्रधानाचार्य होता है। उस वक्त उनके पास पीएच - डी डिग्री नहीं है। हाईकोर्ट में मुकदमा होता है। हाईकोर्ट कुलाधिपति को निर्देश देता है कि इस पर अपना निर्णय लें। इस संचिका यानी फाइल पर कुलाधिपति कोई निर्णय नहीं लेते। साल दर साल बीतता जाता है। ऐसे प्रधानाचार्य अपना ट्रांसफर दूसरे विश्वविद्यालय में करवा लेता है। वहां वह जिस जिस कालेज में जाता है, वहां उस पर आरोप लगते हैं। उस पर विश्वविद्यालय जांच समिति गठित होती है। जांच समिति को ऐसे प्रधानाचार्य खूब डिस्टर्ब करते हैं। जांच समिति के सदस्यों को प्रताड़ित करने की कोशिश करते हैं। दो कालेज पर बनी समिति अपनी रिपोर्ट देती है। तीसरे कालेज पर आज तक समिति बनी हुई है और निष्क्रिय है। कुलपति उन पर कोई कार्रवाई नहीं करते। जब ऐसे प्रधानाचार्य के संबंध में कुलपति से रिपोर्ट मांगी जाती है तो कुलपति जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कुलाधिपति को लिखते हैं कि इन पर अमुक अमुक चार्ज है, तब भी उनकी नियुक्ति कुलपति के पद पर हो जाती है। सच पूछिए तो इस तरह के वाकये में कुलपति की नियुक्ति के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी, मुख्यमंत्री और कुलाधिपति सभी दोषी हैं। इनकी आंखों पर पट्टी क्यों लगी है? इसकी व्याख्या बहुत कठिन नहीं है।

कोई मक्खी यों ही नहीं निगलता। इसके लिए मूल्य चुकाने होते हैं। यह मूल्य पैरवी और पैसे के रूप में चुकाए जाते हैं, लेकिन इस मूल्य के बदले में मरती है उच्च शिक्षा। ऐसे लोग जब कुलपति नियुक्त होकर आते हैं तो हर फाइल का वजन तौलते हैं। भ्रष्टाचार का खजाना खुल जाता है। कुलपति को चमचे - बेलचे बहुत मिल जाते हैं। जिन शिक्षकों के अंदर का शिक्षक मर जाता है, वे कुलपति के चरण चुंबन करते हैं। मैं एक शिक्षक को जानता हूं। आजकल वे प्रधानाचार्य हैं। वे कुलपति (महिला) के पति से जब मिलते थे तो वे विनम्रता की मूर्ति बन पति से प्रार्थना करते थे कि हुजूर, जूते उतार दें। आपके चरण पर नत मस्तक होना है। शिक्षक की रीढ़ अगर टूट जाये तो वह शिक्षक काहे का? मैंने यह भी सुना है कि ऐसे शिक्षक अपने जूनियर या रिसर्च स्कॉलर से कक्षा करवाते हैं और हस्ताक्षर अपना लगाते हैं। बिहार की उच्च शिक्षा को सुधारना है तो उदार मन का कर्तव्यनिष्ठ शिक्षाविद चाहिए। जो शिक्षा, शिक्षक और पूरे तंत्र को समझ सके।

वैश्विक स्तरपर सबसे युवा देश जिसकी 65 फ़ीसदी आबादी उसकी सबसे मूल्यवान संपति है वह है भारत,जहां दुनिया की युवा आबादी का पांचवा हिस्सा है जो एक जनसांख्यिकीय लाभांश पैदा करने की ताकत रखता है, विजन 2047, विज़न 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की देश की अर्थव्यवस्था के महत्वकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने मेंमहत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो कार्यबल के साथ साथ बाजार की उपलब्धि करा सकता है।

मातृभूमि तथा देशवासियों के उत्थान के लिए सर्वस्व बलिदान करना हमारा आदर्श होना चाहिए

किशन सनमुखदास भावनानीं

मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि नवाचार नवोन्मेष, स्टार्टअप,उद्यमशीलता विविधता की संस्कृति को चला रहे हैं ऐसी मुल्यवान ताकत युवाओं में हमें राष्ट्र हित से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को समझकर उनको उत्साहवर्धन करने की तात्कालिक ख़ास ज़रूरत है जो सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है, क्योंकि यदि राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा तो हमारा राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक,अन्तर्राष्ट्रीय बाधाओं सहित अनेक मुद्दों और विषयों में सुरक्षित होगा।

साथियों बात अगर हम युवाओं को उत्साहवर्धन की करें तो आज अभिभावकों,शिक्षकों,बुद्धिजीवियों, राजनीतिक नेताओं से लेकर हर उस जानकार व्यक्तित्व का कर्तव्य है कि युवाओं में राष्ट्रहित की भावना को तेजी से विकसित करें युवाओं में यह भाव पैदा करना होगा कि घर से महत्वपूर्ण समाज, उस से महत्वपूर्ण गांव, शहर, राष्ट्र है। इसलिए राष्ट्र हित की भावना सबसे पहले युवाओंमें जागृत कराना जरूरी हैं। क्योंकि, युवा राष्ट्र का संरचनात्मक और कार्यात्मक ढांचा है। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। इसलिए युवा राष्ट्र निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं, इसके साथ ही देश का प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट और सर्वोच्च विकास के लिए प्रयासरत रहे। वास्तव में यही राष्ट्रहित है। जाति, धर्म और क्षेत्रीयता की संकीर्ण मानसिकता से उपर उठकर देश के प्रति गर्व की एक गहरी भावना महसूस करना ही राष्ट्रवाद है।

साथियो बात अगर हम भारत के सबसे कम उम्र वाली आबादी होने की करें तो,भारत के 1.35 बिलियन लोग इसे दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश बनाते हैं, लेकिन औसतन 29 वर्ष की आयु के साथ, यह विश्व स्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी में से एक है। जैसे ही युवा नागरिकों का यह विशाल संसाधन कार्यबल में प्रवेश करता है,यह एक जनसांख्यिकीय लाभांश बना सकता है।संयुक्तराष्ट्र जनसंख्या कोष द्वारा जनसांख्यिकीय लाभांश को जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणाम स्वरूप आर्थिक विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है, मुख्यतः जब कामकाजी उम्र की आबादी आश्रितों की संख्या से बड़ी होती है।

साथियों बात अगर हम युवाओं में राष्ट्रहित, राष्ट्रीयता भावना जगाने की करें तो, पहला कार्य व्यक्ति निर्माण का है और राष्ट्रीयसंस्कार व्यक्ति में बनेंगे तो निश्चित तौर से वह निज हित से ऊपर राष्ट्र हित को प्राथमिकता देगा। देश के हर वर्ग के युवा राष्ट्रहित को सर्वोपरि समझे तभी हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे। युवाओं को हमरे पूर्वजों से प्रेरणा लेनी चाहिए संस्कृति को समझना होगा। युवा संगठन से ऑनलाइन जुड़कर भी देश को मजबूती दे सकते हैं।राष्ट्र से बड़ा कोई संगठन नहीं है और राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं हो सकती। इसलिए आज नौजवानों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम बच्चों, युवाओं में राष्ट्रहित राष्ट्रवाद को गहराई से समझाने की करें तो, प्रत्येक नागरिक के लिए अपने राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शन करना अनिवार्य है क्योंकि हमारा देश अर्थात हमारी जन्मभूमि हमारी मां ही तो होती है। जिस प्रकार माता बच्चों को जन्म देती है तथा अनेक कष्टों को सहते हुए भी अपने बच्चों की खुशी के लिए अपने सुखों का परित्याग करने में भी पीछे नहीं हटती है उसी प्रकार अपने सीने पर हल चलवाकर हमारे राष्ट्र की भूमि हमारे लिए अनाज उत्पन्न करती है, उस अनाज से हमारा पोषण होता है।

साथियों बात अगर हम भारत की माननीय राष्ट्रपति राष्ट्र के नाम संदेश की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी कहा था

हमारे पास जो कुछ भी है वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है। इसलिए हमें अपने देश की सुरक्षा, प्रगति और समृद्धि के लिए अपना सब कुछ अर्पण कर देने का संकल्प लेना चाहिए। हमारे अस्तित्व की सार्थकता एक महान भारत के निर्माण में ही दिखाई देगी। कन्नड़ा भाषा के माध्यम से भारतीय साहित्य को समृद्ध करने वाले महान राष्ट्रवादी कवि 'कुवेम्पु' ने कहा है—नानु अलिवे, नीनु अलिवेनम्मा एलु-बुगल मेलेमूडु-वुदु मूडु-वुदुनवभारत-द लीले।अर्थात'मैं नहीं रहूंगा, न रहोगे तुम,परन्तु हमारी अस्थियों पर, उदित होगी, उदित होगी,नये भारत की महागाथा।?उस राष्ट्रवादी कवि का यह स्पष्ट आह्वान है कि मातृ-भूमि तथा देशवासियों के उत्थान के लिए सर्वस्व बलिदान करना हमारा आदर्श होना चाहिए। इन आदर्शों को अपनाने के लिए मैं अपने देश के युवाओं से विशेष अनुरोध करती हूं। वे युवा ही 2047 के भारत का निर्माण करेंगे। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, पीएम ने कहा, एक बात जिसने हमारे लोकतंत्र व्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाया वह है राष्ट्रहित से ज्यादा प्राथमिकता अपनी विचारधारा को देना। अगर कोई विचारधारा यह कहती है कि देशहित के मामलों में भी मैं इसी दायरे में काम करूंगा तो यह रास्ता सही नहीं है। दोस्तों यह गलत है। आज हर कोई अपनी विचारधारा पर गर्व करता है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन फिर भी हमारी विचारधारा राष्ट्रहित के विषयों में राष्ट्र के साथ नजर आनी चाहिए। राष्ट्र के खिलाफ कतई नहीं। आप देश के इतिहास में देखिए जब -जब देश के सामने कोई कठिन समस्या आई है हर विचारधारा के लोग राष्ट्रहित में एक साथ आए हैं। आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी के नेतृत्व में हर विचारधारा के लोग एक साथ आए थे। उन्होंने देश के लिए एक साथ संघर्ष किया था। उन्होंने कहा, आपातकाल के खिलाफ आंदोलन में कई राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता और संगठन के लोग भी थे। समाजवादी लोग भी थे, कम्युनिस्ट भी थे, जेएनयू से जुड़े कितने ही लोग थे जिन्होंने एक साथ आकर इमरजेंसी के खिलाफ संघर्ष किया था। इस लड़ाई में किसी को अपनी विचारधारा से समझौता नहीं करना पड़ा था। पर सब सबसे ऊपर राष्ट्रहित का उद्देश्य था। इसलिए साथियों जब राष्ट्र की एकता, अखंडता का प्रश्न हो तो एक साथ आना चाहिए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राष्ट्रीय सेवा सर्वोपरि होगा तो राष्ट्र सुरक्षित होगा।युवाओं में राष्ट्रहित के जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को समझकर उनका उत्साहवर्धन करना सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है। युवाओं में वैचारिक परिपक्वता परिलक्षित करने अभिभावकों, शिक्षकों द्वारा उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को रेखांकित कर मार्गदर्शन करना समय की मांग है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्टीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शरीर में प्राण और प्रेम की अनुभूति

शरीर में कण्ठ से हृदय पर्यन्त जो वायु कार्य करता है, उसे प्राण कहा जाता है ।यह प्राण नासिका मार्ग, कण्ठ, स्वर तन्त्र, वाक् इन्द्रिय, अन्न नलिका, श्वसन तन्त्र, फेफड़ों एवं हृदय को क्रियाशीलता तथा शक्ति प्रदान करता है ।हमारे शरीर में पुरयषटका है जिसे प्राण भी कहते ,कोई उसे जीवात्मा कहता , प्राण से नाड़ी और नाड़ी से श्ववास ऐसे चलती जैसे धोकनी ये सब क्रिया है यहां करता कोई नहीं है क्रिया जगत यानि संसार में हो रही सुरज निकल रहा हवा बह रही धरती घुम रही इसके चलाने वाला कोई करता नहीं ,जीव स्वयं के होने का अभिमान कर करता बन बैठा और फिर भोग फिर भोग से तृष्णा बेचैनी असंतोष अब वो ही मार्ग खोज रहा वो शरीर को सत्य जान रहा लेकिन ये नहीं समझ रहा क्रियाओ का कारण गुण है और भगवान श्रीकृषण ने कहा कि गुणा गुणैसु वर्त्तते कबीर दास जी भजन के माध्यम से कहते हैँ राम निरंजन न्यारा रे, अंजन सकल पसारा रे!

संजय गोस्वामी

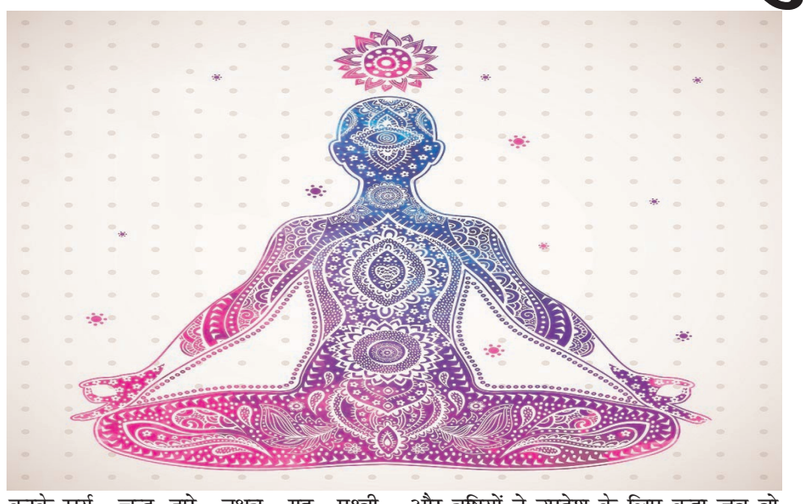

अंजन माने प्रकृति; ये शरीर, हमारे विचार, हमारी मान्यताएँ, सुख-दुख, रिश्ते-नाते, कल्पनाएँ, आकांक्षाएँ—सब अंजन का ही विस्तार है, सब अंजन का ही पसार है। तो निरंजन क्या है? राम हैं निरंजन – वो जो इस पूरे विस्तार से न्यारे हैं, विशिष्ट हैं। क्या आपके जीवन में भी कुछ ऐसा है जो इस प्रकृति के फैलाव से अलग है? क्या आपके जीवन में कुछ ऐसा है जो आपको उस निरंजन राम से मिलवा सके? कबीर साहब के इस भजन का वेदान्तिक अर्थ कर रहे हैं और एक-एक शब्द के माध्यम से हमारे जीवन के अंजन की परतों को खोल रहे हैं। पूरी चर्चा में आचार्य जी बता रहे हैं कि कैसे अंजन से घिरे रहकर भी कोई उसी अंजन को माध्यम बना सकता है निरंजन तक पहुँचने का। आशा है इस भजन के माध्यम से आप भी अंजन से निरंजन की ओर बढ़ पाएँगे जागृत में सुषुप्ति हृदय और हृदय में श्रवास का अभाव न देश न काल उसे साक्षी आत्मा कहते हैं सीधी सरल भाषा मे ब्रह्म की परिभाषा देनी हो तो ऐसा कहा जा सकता है ब्रह्म यानी चैतन्य का महासागर । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके चन्द्र समस्त विश्व के प्राणी , पदार्थ , वनस्पति को अमृतमय शीतलता प्रदान करता है । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके तारे , ग्रह , नक्षत्र आकाश में बिना किसी आधार के लटक रहे हैं । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके सूर्य , चन्द्र ,तारे , नक्षत्र , ग्रह , पृथ्वी आदि हजारों मील की गति से आकाश में भृमण कर रहे है । जिस चैतन्य में से चैतन्य प्राप्त करके पृथ्वी तमाम प्राणी पदार्थ , नदियाँ , पर्वत को धारण कर सकती है और वायु वहन कर रहा है । उसी चैतन्य का संग्रह , चैतन्य महासागर का नाम परब्रह्म परमेश्वर है । ब्रहम कि अनुभुति होती है जहां पर वाणी कि भी गति नहीं ,वहां पर शब्द यानि जगत और अर्थ यानि उसकी सत्यता का अभाव है उस स्थिती का नाम ब्रहम चैतन्य संवित आत्मा परमात्मा इतना शास्त्र और ऋषियों ने उपदेश के लिए कहा जब वो अनुभुति होती तब जीव जान लेता कि ये सब कल्पना नहीं है और तब वो समता करुणा अभय निश्चिंत मुदिता और प्रेम में डुबा रहता सिर्फ एक माया ही ऐसी है जो उसे गिरा सकती इसलिए उसे कभी भी सत्संग संतों का संग शास्त्र चर्चा का त्याग नहीं करना चाहिए हृदय = भक्ति साक्षी = ज्ञान श्वास = योग और तीनों से मिश्रित मार्ग भी है। कर्म मार्ग भी है। यह किसी संत ने स्वयं अपने मार्ग के विषय में बताया है श्वास यानी विपश्यना। सांसों पर ध्यान देकर अंतर्मुखी होने का प्रयास करना। साक्षी मतलब दृष्टा भाव को प्राप्त करना लेकिन यह प्राप्त कैसे होगा इतना सरल है क्या कभी-कभी संत लोग मैं तो यही कहूंगा कुछ ऐसी बातें बोलते हैं जो आम भक्तों के पल्ले नहीं पड़ती तो वह महान की श्रेणी में आ जाते हैं। बात वह करनी चाहिए जो धरातल पर हो और प्रैक्टिकल हो। अब आपने लिख दिया साक्षी यानी दृष्टा भाव अरे हमारे पिताजी की संपत्ति नहीं है जो उनके बाद हमको सीधे मिल जाएगी। इसी के लिए तो सारे कर्मकांड है लेकिन क्या हमारे अंदर यह आता है। फिर लिख दिया हृदय भगवान श्री कृष्ण भगवत गीता में बोला है कि मैं हृदय में स्थित गुह्य में निवास करता हूं। इसका एक यह भी अर्थ हो सकता है आप हृदय चक्र में ध्यान करें। भगवान राम के ध्यान से मन शांत होता है उसके बाद हमें शांत मन से कुछ भी बोलना है वह बड़ा सोच समझ कर ही सत्य संभव हो या ना हो उसका मार्ग हमें पता हो या ना हो हमें तो अपनी विद्वत्ता सिद्ध होता है। यह तरह मन शांत में सही और गलत का पहचान करता है जब ऊपरी मन से केवल नाम लेते हैँ तो वाक्य वास्तव में सही नहीं बैठता है क्योंकि श्वास आरंभ है और साक्षी बहुत मुश्किल काम है जो इसे धीरे-धीरे प्राप्त होता है इसलिए तीनों को एक साथ बैठना उचित नहीं सबसे पहले आप स्वस्थ लिखिए उसके बाद आप साक्षी लिखिए और फिर आपका हृदय में स्थित जो प्रमुख अंश है वह लिखिए। इन सभी का एक ही उत्तर है अपने इष्ट का सतत निरंतर निर्बाध मंत्र जाप या नाम जप और कुछ नहीं। इससे सस्ता सुंदर टिकाऊ और सहज मार्ग कोई हो नहीं सकता।राम के ध्यान से प्रेम उमड़ पड़ता है और प्रेम को समझने के लिए निम्न बातों पर विचार करें । 1.. प्रेम सदैव ही सहनशील एवं मधुर होता है। कठोरता, उद्दंडता, दृढ़ प्रेम के विरोधी लक्षण है। प्रेमी,उदार, अक्रोधी, तथा नम्र होता है। 2... प्रेम ईर्ष्या नहीं करता। प्रेमी को विश्वास होता है कि, उसके प्रभु का भंडार अखंड एवं अखूट है। अतः ईर्ष्या किस बात की। 3.. प्रेम में आत्म श्लाघा नहीं प्रेमी जानता है कि गुणों का भंडार केवल उसका प्रभु है। केवल वही प्रशंसनीय है। 4.. प्रेम में गर्व नहीं होता।।गर्व (अभिमान)से चित्त दूषित हो जाता है। दूषित चित्त को प्रभु कभी भी पसंद नहीं करते। 5.. प्रेम में दुष्ट आचरण नहीं है क्योंकि प्रेमी के प्रत्येक आचरण, व्यवहार एवं क्रिया अपने प्रियतम की प्रसन्नता के लिए ही होती है 6.. प्रेमी अपना मन, बुद्धि, हृदय, कामनाएं,शरीर,समय,धन, सम्पत्ति, घर परिवार सभी कुछ प्रभु को अर्पण करता जाता है।। प्रेम का अर्थ खुद और संसार की रक्षा करना है, लेकिन जल्दबाजी में और बिना पूरी सच्चाई जाने किसी गलत आदमी को की गई रक्षा स्वयं एक विनाशकारी रूप ले सकती है। श्री राम ने यही सिखाया कि प्रेम को विवेक और विश्वास के साथ संतुलित करना आवश्यक है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पहाड़ों पर बर्फ के बीच नया साल

मैदान में कोहरे की चुनौती; ध्यान में रखकर बनाएं यात्रा योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग के ताजा अनुमानों के मुताबिक नए साल के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का अलग रंग देखने को मिलेगा। पहाड़ों में बर्फबारी का रोमांच, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंड और कोहरे की चुनौती, जबकि दक्षिण और तटीय क्षेत्रों में सुहावना मौसम सैलानियों को अपनी पसंद के अनुसार विकल्प चुनने का अवसर दे रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सही योजना और मौसम चेतावनियों का पालन कर नए साल की यात्रा न सिर्फ यादगार, बल्कि सुरक्षित भी बनाई जा सकती है। नए साल के मौके पर बर्फबारी का आनंद लेने के इच्छुक सैलानियों के लिए उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर के कई पर्यटन स्थल खास आकर्षण बने हुए हैं। औली, चमोली और उत्तरकाशी जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ की सफेद चादर पर्यटकों को लुभा रही है। हिमाचल प्रदेश में मनाली, सोलांग घाटी, कुफरी और नारकंडा से लेकर कश्मीर घाटी में गुलमर्ग में सर्द हवाओं के साथ बर्फबारी का अनुभव नए साल के उत्साह को दोगुना कर सकता है। यहां बर्फ के बीच स्कीइंग और प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया जा सकता है।

यात्रा के दौरान यह जरूरी सामान साथ रखें सामान्य सर्दी, खांसी, बुखार, सिरदर्द की दवाइयां। व्यक्तिगत नियमित दवाइयों का पूरा कोर्स। प्राथमिक उपचार किट और दर्द निवारक बाम। पर्याप्त गर्म कपड़े, दस्ताने और टोपी। मोबाइल चार्जर, पावर बैंक व जरूरी संपर्क नंबर।

ठंड से राहत चाहिए तो दक्षिण और गोवा बेहतर विकल्प: पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार जो लोग तेज ठंड से बचते हुए नए साल का आनंद लेना चाहते हैं, उनके लिए दक्षिण भारत और गोवा जैसे तटीय इलाके अनुकूल हैं। केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में मौसम हल्का गर्म और आरामदायक बना हुआ है। गोवा में मौसम बड़ी बाधा नहीं बन रहा। यहां न घना कोहरा है और न ही कड़ाके की ठंड।

बंगाल में आस्था का नया केंद्र जगन्नाथ मंदिर

महज आठ माह में एक करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

मेदिनीपुर , एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले में स्थित जगन्नाथ मंदिर में उद्घाटन के महज आठ महीनों के भीतर 1 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। यह जानकारी मंदिर अधिकारियों ने सोमवार को दी। कोलकाता के टॉलीगंज इलाके की रहने वाली काकोली जाना रविवार को एक करोड़वीं दर्शनार्थी बनीं। उन्हें और उनके परिवार को मंदिर अधिकारियों द्वारा विशेष दर्शन दिए गए और महाप्रसाद एवं अन्य पवित्र भेंटें अर्पित की गईं।

मंदिर विभिन्न देशों और संस्कृतियों के भक्तों का मिलन स्थल बन गया है- मुख्य पुजारी : दीघा स्थित जगन्नाथ धाम के मुख्य पुजारी और न्यासी राधारामन दास ने कहा कि यह उपलब्धि भगवान जगन्नाथ की बढ़ती वैश्विक अपील और मंदिर की समावेशी भावना को दर्शाती है।उन्होंने कहा, 'एक करोड़ भक्त का आगमन केवल एक संख्यात्मक उपलब्धि नहीं है, बल्कि भगवान जगन्नाथ के सार्वभौमिक आलिंगन का प्रतिबिंब है,' उन्होंने आगे कहा कि यह मंदिर विभिन्न देशों और संस्कृतियों के भक्तों का मिलन स्थल बन गया है।दास ने तीर्थस्थल के विकास में पश्चिम बंगाल सरकार की भूमिका को स्वीकार करते हुए कहा कि इस पहल ने राज्य की आध्यात्मिक विरासत को मजबूत करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक गतिविधि उत्पन्न करने में मदद की है।

इलाके में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं: इस साल 30 अप्रैल को इसके उद्घाटन के बाद से, दीघा, जो पारंपरिक रूप से एक मौसमी समुद्र तट के रूप में जाना जाता है, यहां अब साल भर पर्यटकों की आवाजाही देखी जा रही है, जिससे होटलों, परिवहन सेवाओं, भोजनालयों और छोटे व्यवसायों की मांग बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। यह मंदिर पूर्वी भारत में एक प्रमुख आध्यात्मिक स्थल के रूप में तेजी से उभरा है, जो देश भर से भक्तों के साथ-साथ कई देशों के इस्कॉन समुदाय के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में विदेशी तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और कई एशियाई देशों के श्रद्धालु अब नियमित रूप से इस तीर्थस्थल पर आते हैं, जो एक अंतरराष्ट्रीय तीर्थ केंद्र के रूप में दीघा की बढ़ती प्रतिष्ठा को रेखांकित करता।

लखीमपुर पुलिस पर हमला मामले में 10 गिरफ्तार

लखीमपुर (असम), एजेंसी। लखीमपुर जिले के बंगालमारा इलाके में पुलिस पर हुए हमले के मामले में आज पुलिस ने दस उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना शनिवार देर रात उस समय हुई, जब पुलिस की एक टीम नकली सोने के एक व्यापारी को हिरासत में लेने पहुंची थी।

पुलिस के अनुसार, रमजान तीनिआली क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया और नकली सोने के व्यापारी बहारुल उर्फ अंबानी को जबरन छुड़ा लिया। हमलावरों ने पुलिस दल को घेरकर मारपीट की, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस हमले में बंगालमारा पुलिस चौकी के प्रभारी अधिकारी गोकुल जयश्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा पुलिस के साथ गए असैन्य वाहन का चालक भी हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा फरार नकली सोने के व्यापारी और अन्य आरोपितों की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही।

चिट्टे के साथ चार युवक अरेस्ट, एक कार भी जब्त

ऊना, , **एजेंसी।** थाना अंब के तहत कलरूही पुलिस टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार युवकों को 2.99 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मारुति कार भी जब्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 10.15 बजे एएसआई सुनील डढवाल के नेतृत्व में गठित टीम कलरूही चौक के नज़दीक गश्त एवं नाकाबंदी पर थे। इसी दौरान रात करीब 11.10 बजे ऊना की ओर से आ रही आ रही सफेद रंग की मारुति कार (॥क्का 9क्क- 7852) को रोक उसकी तलाशी ली गई तो उसमें चार व्यक्ति मौजूद पाए गए । पुलिस को देख सभी घबरा गए ।तलाशी के दौरान कार के डैशबोर्ड से एक पारदर्शी पॉलिथीन में सफेद रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जो किन वाद में जांच में 2.99 ग्राम चिट्टा पाया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सौरभ शर्मा (33) निवासी समनोली तहसील प्रागपुर, रजनीश कुमार (29) निवासी जदामण तहसील डाडासीबा, रोहित राणा (26) निवासी खब्बल तहसील ज्वाली तथा मलकीयत सिंह (33) निवासी जदामण तहसील डाडासीबा जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। चारों आरोपी उपमंडल अंब की सीमा के साथ सटे गांवों के रहने वाले हैं। एसपी अमित यादव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ़ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 29, 61 व 85 के तहत मामला दर्ज कर आगामी कारवाई शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

ऊना,, **एजेंसी।** क्षेत्र के गांव दियोली में सोमवार दोपहर वाद एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान स्वर्ण सिंह पुत्र राम किशन, निवासी दियोली के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्वर्ण सिंह किसी निजी कार्य से शनि मंदिर के समीप कॉज वे पर घनारी की ओर जा रहे थे, इसी दौरान तेज रफ्तार पंजाब नंबर की एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्वर्ण सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह सर्वे ऑफ़ इंडिया में सेवानिवृत्त थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा दुर्घटना के कारणों की गहन जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

सदियों बाद सुलझा समुद्र की रहस्यमयी चमक का राज, चमकदार बैक्टीरिया पैदा करते हैं दूधिया रोशनी

नई दिल्ली, एजेंसी। खुले समुद्र में रात के अंधेरे के बीच अचानक दूधिया रोशनी से चमक उठता पानी, यह दृश्य सदियों से नाविकों को हैरान करता रहा है। इस रहस्यमयी घटना को 'मिल्की सीज' कहा जाता है। अब विज्ञान के पास इस दुर्लभ और भयावह-सी दिखने वाली समुद्री चमक के रहस्यों को समझने की ठोस दिशा मिल गई है।

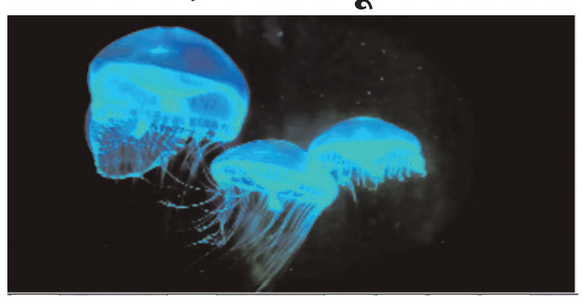

नए वैज्ञानिक डेटा और सैटेलाइट विश्लेषण इस बात के संकेत दे रहे हैं कि यह घटना केवल कहानी या भ्रम नहीं, बल्कि प्रकृति का एक वास्तविक और अत्यंत दुर्लभ रूप है। जर्नल ऑफ फिजिकल ओशनोग्राफी, डीप-सी रिसर्च, लिम्नोलॉजी एंड ओशनोग्राफी की रिपोर्ट्स के अनुसार मिल्की सीज का संबंध विशेष प्रकार के चमकदार बैक्टीरिया से है, जो अनुकूल परिस्थितियों में एक साथ विशाल क्षेत्र में सक्रिय हो जाते हैं।

ये सूक्ष्मजीव रासायनिक प्रक्रिया के जरिए लगातार प्रकाश उत्सर्जित करते हैं, जिससे समुद्र की सतह एक समान चमकने लगती है। मिल्की सीज केवल तब बनती हैं, जब समुद्र का तापमान, पोषक तत्व, बैक्टीरिया की मात्रा और मौसम की स्थितियां एक खास संतुलन में हों। यही वजह है कि दुनिया के कुछ चुनिंदा समुद्री क्षेत्रों के हिस्सों में ही इनके अधिक प्रमाण मिले हैं। हालांकि, मिल्की सीज केवल हिंद महासागर तक सीमित नहीं हैं, लेकिन ऐतिहासिक रिकॉर्ड और आधुनिक सैटेलाइट डेटा बताते हैं कि इनकी सबसे अधिक और सबसे स्पष्ट घटनाएं यहीं दर्ज की गई हैं।

कहां से दिखाई देती है यह दुर्लभ घटना: मिल्की सीज आम तौर पर जमीन से दिखाई नहीं देतीं, क्योंकि यह घटना खुले समुद्र के गहरे हिस्सों में होती है, जो तटों से काफी दूर होते हैं। ऐतिहासिक रूप से इन्हें सबसे पहले जहाजों पर मौजूद नाविकों ने ही देखा और दर्ज किया, जब रात के समय समुद्र की पूरी सतह एकसार दूधिया रोशनी में नहाई हुई दिखाई दी। आधुनिक दौर मे सबसे भरोसेमंद माध्यम सैटेलाइट हैं, जो अंतरिक्ष से मीलों तक फैली इस चमक को रिकॉर्ड करते हैं।

पूरी रात मृत पिता और बेसुध मां के साथ रहा पांच साल का बेटा, जहर ने बनाया अनाथ

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा के देवगढ़ जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक पांच साल का एक छोटा बच्चा कपकपाती ठंड और अंधेरी घनी रात में अकेला जंगल रहकर अपने मृत पिता और बेहोश मां की देखभाल करता रहा। यह हृदयविदारक मामला तब उजागर हुआ जब रविवार सुबह वह जंगल के पास सड़क पर लोगों की मदद मांगते पाया गया।

जानकारी के अनुसार, बच्चे के माता-पिता की पहचान दुष्यंत मझी और रिंकी मझी के रूप में हुई है। जो जियानंतपाली गांव के निवासी थे, घर लौटते समय घरेलू विवाद के चलते कीटनाशक का सेवन कर बैठे। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी की और करीब एक किलोमीटर जंगल में चले गए, जहां उन्होंने जहर का सेवन किया।

घटनास्थल पर ही पिता की हो गई मौत: बच्चे के पिता दुष्यंत मझी घटनास्थल पर ही जान गंवा बैठे, जबकि रिंकी मझी बेहोश हो गईं। पुलिस के अनुसार, बच्चा सारी रात अपने माता-पिता के पास बैठा रहा और उनकी सुरक्षा करता रहा। सूरज निकलने के बाद उसने मदद के लिए सड़क की ओर चलकर राहगीरों से संपर्क किया।

इलाज के दौरान चल बसी मां: पुलिस ने बताया कि बच्चे को प्राथमिक इलाज के बाद दादा-दादी के पास सौंपा गया, जबकि उसकी मां बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान चल बसी। पुलिस ने बताया कि बच्चा भी इस विष का सेवन कर चुका था, लेकिन वह सुरक्षित बच गया। देवगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज चोपड़ार ने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है।

कर्नाटक में भाजपा विधायक के खिलाफ चेक बाउंस पर मामला दर्ज, चुनाव में लिया था 99 लाख का कर्ज

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के भाजपा विधायक शरणु सालगर के खिलाफ 99 लाख रुपये के चेक बाउंस के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि उन पर आरोप है कि उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान लिए गए की कर्ज की राशि वापस नहीं की। उन्होंने बताया कि विधायक ने अपने दूर के रिश्तेदार से चुनाव संबंधी खर्चों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता मांगी थी। जनवरी और फरवरी 2023 के बीच कई किस्तों में राशि प्राप्त की थी। इसके साथ ही उन्होंने छह महीने के भीतर भुगतान का आश्वासन भी दिया था।

दो साल इंतजार किया, फिर भी नहीं लौटाए पैसे : एफआईआर में बताया गया है कि शिकायतकर्ता ने दो साल तक इंतजार किया, लेकिन बार-बार याद दिलाने के बावजूद जब विधायक ने उधार ली गई राशि लौटाने का कोई संकेत नहीं दिखाया, तो 14 सितंबर, 2025 को वरिष्ठों द्वारा एक बैठक बुलाई गई, जिसमें विधायक ने देनदारी स्वीकार की और 99 लाख रुपये का चेक जारी किया। एफआईआर में आगे आरोप लगाया गया है कि जब शिकायतकर्ता के परिवार के सदस्य 16 सितंबर को विधायक के आवास पर यह पुष्टि करने के लिए गए कि चेक जमा किया जा सकता है या नहीं, तो विधायक ने कथित तौर पर आक्रामक व्यवहार किया और धमकी दी शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कथित धमकियों को रिकॉर्ड किया गया था और शिकायत के साथ इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

हालांकि, पुलिस ने बताया कि जब 18 सितंबर को शिकायतकर्ता के बैंक के माध्यम से चेक प्रस्तुत किया गया, तो अगले दिन यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि खाता बंद है। चेक के अनादरण के बाद, 22 सितंबर को विधायक को एक कानूनी नोटिस जारी किया गया था, जिसमें निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान करने की मांग की गई थी, लेकिन पुलिस ने बताया कि कोई जवाब नहीं मिला।

विधायक के खिलाफ कई धारों में अपराध दर्ज: पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विधायक के खिलाफ 27 दिसंबर को बसवा कल्याणा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 314 (बेईमानी से संपत्ति का गबन), 318 (धोखाधड़ी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), 351 (आपराधिक धमकी) और 74 (किसी महिला की मर्यादित करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बंगलूरू-महाराष्ट्र में मेफेड्रोन ड्रग्स तस्करी पर कार्रवाई

चार गिरफ्तार; 4.2 किग्रा ड्रग्स जब्त

मुंबई , एजेंसी। बंगलूरू और महाराष्ट्र में ड्रग्स के खिलाफ महाराष्ट्र की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), बंगलूरू सिटी पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का बड़ा एक्शन सामने आया है। इसके तहत तीनों एजेंसियों ने एक संयुक्त कार्रवाई में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मेफेड्रोन और उससे जुड़ी कच्ची सामग्री के अवैध निर्माण और तस्करी के सिलसिले में की गई। जांच में कुल 4.2 किग्रा मेफेड्रोन, जिसकी कीमत लगभग 1.2 करोड़ रुपए बताई गई है और 17 किलोग्राम कच्चा रॉ मटीरियल जब्त किया गया। इसके अलावा, बारल, मिक्सर और अन्य उपकरण भी पुलिस ने कब्जे में लिए।

चार लोगों की गिरफ्तारी: बता दें कि यह पूरा मामला 21 दिसंबर का है, जब मुंबई में अब्दुल खादर को लगभग 1.5 किग्रा मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया गया। उसकी पूछताछ से बंगलूरू में प्रशांत पाटिल का नाम सामने आया। इसके बाद संयुक्त टीम ने सुरेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया। इतना ही नहीं जांच में यह भी पता चला कि कोई सक्रिय लैब नहीं मिली, लेकिन कच्चा माल और उपकरण अलग-अलग स्थानों से जब्त किए गए।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घना कोहरा, कई जगह पारा 5 डिग्री से नीचे; शीतलहर ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत समूचे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर जारी है। इसके चलते पंजाब, हरियाणा व राजस्थान के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री रहा। उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में शीतलहरी चली। पहाड़ी इलाकों में लद्दाख के द्रास में पारा शून्य से 14.2 डिग्री नीचे चला गया।

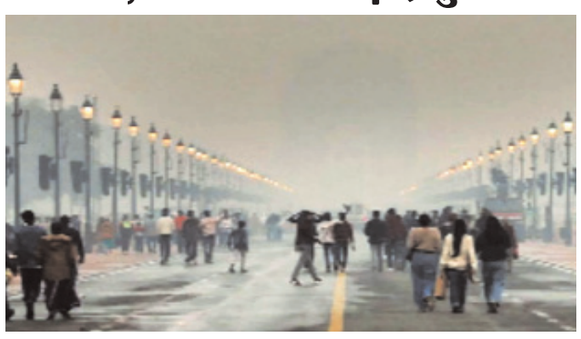

पंजाब और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई। भीषण शीतलहर को देखते हुए यूपी में 12वीं तक के सभी स्कूलों को एक जनवरी तक बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी ठंडी हवाओं ने लोगों को सताया। असम के गुवाहाटी में भी शीत लहर का प्रकोप रहा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश हुई।

कोहरे के चलते नहीं उतर सका विमान, लौटना पड़ा दिल्ली: दिल्ली से रविवार दोपहर में इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-7324 अपने तय समय 1:05 बजे पंतनगर पहुंची, लेकिन कम दृश्यता के चलते उसे उतरने की अनुमति नहीं दी गई। विमान कुछ देर हवा में चक्कर लगाता रहा। बाद में दिल्ली लौटना पड़ा। विमान में 78 यात्री सवार थे। वहीं, पंतनगर से भी दिल्ली के लिए 76 यात्रियों ने टिकट बुक कराया था। विमान के नहीं उतर पाने से इन्हें परेशानी झेलनी पड़ी।

दिल्ली में 40 में से 19 निगरानी केंद्रों पर गंभीर श्रेणी में एक्यूआई: मौसम के तीखे तेवर से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति और खराब हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, रविवार शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 390 दर्ज किया गया। 40 में से 19 निगरानी केंद्रों में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में रहा। आनंद विहार में एक्यूआई सबसे अधिक 444 रहा। गाजियाबाद में 414, नोएडा में 419 और ग्रेटर नोएडा में 434 दर्ज किया गया। गुरुग्राम में भी एक्यूआई 353 के साथ बहुत खराब श्रेणी में रहा। हवा में प्रदूषकों में पीएम 2.5 प्रमुख रहा।

हिमाचल में नए साल पर बारिश-बर्फबारी का पूर्वानुमान

शीतलहर का येलो अलर्ट

शिमला, एजेंसी। नए साल के स्वागत से पहले हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की उम्मीद जगी है और इसी आस में शिमला, कुफरी और मनाली जैसे हिल स्टेशनों पर बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 30 दिसंबर से प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल सकता है और बारिश-बर्फबारी का लंबा इंतज़ार खत्म होने की संभावना है।

पूर्वानुमान के मुताबिक 30 दिसंबर को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि 31 दिसंबर और 1 जनवरी को पूरे राज्य में मौसम खराब रहने के आसार हैं। इस दौरान ऊंचे और मध्य पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी के प्रबल संकेत हैं, वहीं निचले और मैदानी क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। 2 जनवरी को भी कई इलाकों में बारिश-बर्फबारी का अनुमान है, जबकि 3 और 4 जनवरी को मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के इस अनुमान से सैलानियों में उत्साह है, क्योंकि क्रिसमस के दौरान शिमला और मनाली में बर्फबारी न होने से उन्हें निराशा हाथ लगी थी। शिमला में यह लगातार चौथा साल है जब दिसंबर में बर्फबारी नहीं हुई। ऐसे में नए साल पर बर्फ की सफेद चादर देखने की उम्मीद पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए खास मानी जा रही है।

उधर, मौसम विभाग ने निचले और मैदानी इलाकों में अगले 24 घंटों के दौरान घने कोहरे की चेतावनी जारी की है, जबकि 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक शीतलहर को लेकर येलो अलर्ट घोषित किया गया है। सोमवार को बिलासपुर में बहुत घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर मात्र 40 मीटर और मंडी में 100 मीटर दर्ज की गई, जिससे सड़क यातायात प्रभावित रहा। दिन की शुरुआत आज सोमवार को पहाड़ी इलाकों में हल्के बादलों और निचले क्षेत्रों में कोहरे के साथ हुई है, वहीं प्रदेश में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है।

जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान माइनस 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जबकि कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 4.2 डिग्री रहा। शिमला में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री, कुफरी में 7.5, नारकंडा में 5.2 और कसौली में 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मनाली में न्यूनतम तापमान 5.1 डिग्री रहा, जबकि धर्मशाला में 6.4, पालमपुर में 5.0, कांगड़ा में 6.0, सोलन में 2.4 और नाहन में 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मैदानी इलाकों की बात करें तो ऊना में न्यूनतम तापमान 4.8, बिलासपुर में 7.5, मंडी में 4.5, हमीरपुर में 4.4, सुंदरनगर में 3.5, भुंतर में 3.0 और पांवटा साहिब में 9.0 डिग्री सेल्सियस रहा। खास बात यह है कि इन दिनों हमीरपुर और ऊना की रातें मनाली से भी ज्यादा ठंडी हो गई हैं, जो प्रदेश में बढ़ती सर्दी का साफ संकेत है।

मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से जहां एक ओर बर्फबारी और बारिश से किसानों-बागवानों को राहत मिल सकती है, वहीं दूसरी ओर शीतलहर और कोहरे के कारण लोगों को सतर्क रहने की ज़रूरत है।

छुट्टा पशुओं से कुसहरा गांव के किसान बेहाल, सैकड़ों एकड़ फसल तबाह

गोरखपुर,एजेंसी। जंगल कौड़िया क्षेत्र के कुसहरा गांव सहित आसपास के लगभग दो दर्जन गांवों के किसान इन दिनों छुट्टा पशुओं के आतंक से बुरी तरह परेशान हैं। सैकड़ों की संख्या में घूम रहे छुट्टा पशुओं के झुंड खेतों में घुसकर खड़ी फसलों को रौंद रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। गेहूं, जौ, सरसों, आलू, मटर, दलहन और तिलहन जैसी रबी की प्रमुख फसलें पशुओं के कारण नष्ट हो रही हैं। हालात यह हैं कि किसान दिन-रात खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं, फिर भी फसलों को पूरी तरह बचा पाना संभव नहीं हो पा रहा है।

राप्ती और रोहिन नदियों के बीच तलहटी क्षेत्र में बसे इन गांवों में छुट्टा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। किसान बताते हैं कि बड़े-बड़े झुंड बनाकर पशु खेतों में घुसते हैं और कुछ ही घंटों में पूरी मेहनत पर पानी फेर देते हैं। कूसहरा, आसपास के गांवों में सैकड़ों एकड़ में खड़ी फसलें अब तक बर्बाद हो चुकी हैं। इससे न केवल

किसानों की आय प्रभावित हुई है, बल्कि आने वाले समय को लेकर उनकी चिंता भी बढ़ गई है।

स्थानीय किसान राम सिंह, विजय सिंह, शंभू गौड़, राकेश गुप्ता, संदलू कनौजिया और रामवृक्ष सदई निषाद ने बताया कि वे कर्ज लेकर रबी फसल की बुवाई किए हैं। बीज, खाद, सिंचाई और मजदूरी पर भारी खर्च आता है। उम्मीद होती है कि अच्छी पैदावार से कर्ज चुकाकर घर-परिवार की जरूरतें पूरी करेंगे, लेकिन फसल तैयार होने से पहले ही छुट्टा पशु उसे बर्बाद कर देते हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन कमजोर होती जा रही है।

किसानों का कहना है कि रात के समय समस्या और गंभीर हो जाती है। ठंड के बावजूद वे खेतों में अलाव जलाकर, टॉर्च और डंडे लेकर फसलों की रखवाली करते हैं। कई बार पूरी रात जागने के बाद भी पशुओं के झुंड खेतों में घुस जाते हैं। कुछ किसान तो अपने बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को भी निगरानी में लगा रहे हैं, जिससे पढ़ाई-लिखाई और घरेलू जीवन भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र का दायरा बड़ा होने के कारण व्यक्तिगत स्तर पर फसलों की सुरक्षा करना बेहद कठिन है। एक खेत से पशु भगाने पर वे दूसरे खेत में घुस जाते हैं। सामूहिक प्रयास के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। किसानों में यह भय व्याप्त है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खेती करना घाटे का सौदा बन जाएगा।

किसानों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि छुट्टा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। गौशालाओं की संख्या बढ़ाई जाए, पहले से संचालित गौशालाओं की क्षमता और व्यवस्था में सुधार हो तथा पशुओं को पकड़कर वहां भेजने की नियमित कार्रवाई की जाए। साथ ही, फसल क्षति का आकलन कर किसानों को मुआवजा देने की व्यवस्था भी की जाए, ताकि उन्हें कुछ राहत मिल सके।

कुल मिलाकर, जंगल कौड़िया क्षेत्र के कुसहरा गांव और आसपास के इलाकों में छुट्टा पशुओं का बढ़ता उत्पात किसानों के लिए गंभीर संकट बन गया है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो किसानों की आजीविका पर गहरा असर पड़ेगा और खेती से उनका भरोसा डगमगा सकता है। उप जिलाधिकारी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में अस्थाई गौशाला बनाए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जौनपुर दौरा रद्द, अभाविप अधिवेशन निरस्त होने से पूरा कार्यक्रम स्थगित

जौनपुर,एजेंसी। यूपी के जौनपुर में सोमवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जौनपुर प्रस्तावित दौरा रद्द कर दिया गया है। उन्हें आज वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) काशी प्रांत के 65वें अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना था, लेकिन कार्यक्रम निरस्त होने के कारण उनका दौरा भी स्थगित हो गया।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उपमुख्यमंत्री करीब 3 घंटे 40 मिनट तक जिले में रहने वाले थे। उन्हें दोपहर 12:45 बजे पुलिस लाइन में हेलिकॉप्टर से पहुंचना था। इसके पश्चात निरीक्षण भवन में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, मछलीशहर जिलाध्यक्ष अजय कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात प्रस्तावित थी।इसके अलावा दोपहर 1 बजे अधिवेशन स्थल पर जनप्रतिनिधियों से मुलाकात तथा मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता का कार्यक्रम तय था। दोपहर 2 बजे डाक बंगले में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक और बाद में पत्रकारों से वार्ता भी प्रस्तावित थी।कार्यक्रम के निरस्त होने के चलते उपमुख्यमंत्री का पूरा शेड्यूल रद्द कर दिया गया है। हालांकि अधिवेशन में ABVP के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, भारतीय कुश्ती खिलाड़ी योगेश्वर दत्त तथा काशी प्रांत के संगठन मंत्री अभिलाष के शामिल होने का कार्यक्रम पूर्ववत बताया गया था।उपमुख्यमंत्री का दौरा रद्द होने की सूचना से प्रशासनिक एवं राजनीतिक हलकों में दिनभर चर्चा बनी रही।

कोहरे में बस-ट्रैक्टर की भिड़ंत में 5 महिला घायल

सिकंदराबाद, बुलंदशहर एजेंसी। बुलंदशहर के सिकंदराबाद क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे घने कोहरे के कारण एक सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे-34 पर गुर्जर चौक के पास एक यात्री बस और सीमेंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बस में सवार पांच महिला यात्री मामूली रूप से घायल हो गईं।

घायल महिलाओं का मौके पर ही हुआ उपचार : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह के समय घना कोहरा था, जिसके कारण दृश्यता बेहद कम थी। इसी वजह से यह हादसा हुआ। टक्कर के बाद बस में अफरा-तफरी मच गई। घायल महिलाओं को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने बस चालक को घेरकर उसके साथ मारपीट की। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। दुर्घटना के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया था। पुलिस ने जेसीबी मशीन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात को सुचारू रूप से बहाल किया जा सका। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

घर के बाहर खेल रहा तीन वर्षीय बच्चा लापता

नोएडा,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना कासना में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका 3 वर्षीय बेटा घर से लापता हो गया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि ललन कुमार पुत्र भूषण राय मूल निवासी जनपद छपरा बिहार ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह वर्तमान समय में कस्बा कासना में रहते हैं।

यूपी में भयंकर ठंड, नए साल में और बिगड़ेगा मौसम

12वीं तक स्कूल-कॉलेज 4 दिन बंद, हाथरस में स्कूली बस की रोडवेज से टक्कर

लखनऊ,एजेंसी। यूपी में अब हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ने लगी है। इसे देखते हुए 12वीं तक के स्कूल-कॉलेजों को एक जनवरी तक बंद कर दिया गया है। सुबह से वाराणसी, कानपुर, अलीगढ़, संभल समेत 30 जिले घने कोहरे की चपेट में हैं।

8-10 शहरों में विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई है। सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। बर्फीली हवाएं चल रही हैं। ओस की बूंदें रिमझिम बारिश का एहसास करा रही हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 4 दिनों तक भयंकर ठंड पड़ेगी। नए साल में भी मौसम बिगड़ा रहेगा।

रविवार की बात करें तो बाराबंकी और फतेहपुर 8 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ सबसे ठंडे रहे। इसके अलावा बुलंदशहर-हरदोई 8.5 डिग्री के साथ दूसरे और मेरठ 8.6 डिग्री के साथ तीसरे नंबर पर रहा। कोहरे की वजह से गोरखपुर, जालौन, वाराणसी, लखनऊ समेत अन्य रेलवे स्टेशनों पर 100 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं। फ्लाइटें भी देरी से उड़ रही हैं।

हाथरस में सुबह-सुबह विजिबिलिटी कम होने की वजह से दो सड़क हादसों में 7 लोग घायल हो गए। हाथरस में आगरा-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर एक खाली स्कूली बस और रोडवेज बस की भिड़ंत हो गई। हादसे में चालक और परिचालक घायल हो गए। इसके अलावा एक डंपर और ईको वाहन की टक्कर में कार सवार पांच लोग घायल हो गए। सभी लोग वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन करने जा रहे थे।

मौसम की मार के मद्देनजर यूपी सरकार भी अलर्ट मोड पर है। सीएम योगी ने अफसरों से तत्काल फील्ड में उतरने को कहा है। उन्होंने कहा- अफसर जमीनी हकीकत का जायजा लें और सार्वजनिक स्थानों पर अलाव और कंबलों की व्यवस्था कराएं।

मौसम विभाग ने भी लोगों को बेवजह यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। कहा- जरूरी हो, तभी घर से बाहर निकलें। बुजुर्ग और बच्चों का ज्यादा ख्याल रखें। आज वाराणसी समेत 38 जिलों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रहेगा। 37 जिलों में बहुत अधिक घना कोहरा छाया रहेगा।

जौनपुर में 16 जनवरी को निकलेगा जश्ने मेराजुन्नबी जुलूस

सीरत कमेटी ने प्रशासन से सुरक्षा, सफाई और बिजली की मांग की

जौनपुर ,एजेंसी। जौनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को आलिया सीरत कमेटी के अध्यक्ष शकील मुमताज के नेतृत्व में दर्जनों पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने 16 जनवरी को निकलने वाले ऐतिहासिक जश्ने मेराजुन्नबी जुलूस को लेकर अपनी प्रमुख मांगें रखीं।

कमेटी के अध्यक्ष शकील मुमताज ने बताया कि जश्ने मेराजुन्नबी स0अ0व0 का ऐतिहासिक जुलूस 16 जनवरी को निकाला जाएगा। यह आयोजन चंद्र कैलेंडर के अनुसार 26 रजब को होगा, जो शुक्रवार शाम 6 बजे से शुरू होकर अगले दिन सुबह 4-5 बजे तक चलेगा। जुलूस अपनी पुरानी परंपरा के अनुसार ही मनाया जाएगा।

यह जलसा व जुलूस औलिया मस्जिद, सुतहट्टी बाजार से प्रारंभ होगा। यह निर्धारित मार्गों से होते हुए सब्जी बाजार, कोतवाली चौराहा, हरलालका रोड, चहारसु चौराहा और शाही किला से गुजरेगा। अंत में, यह शाही अटाला मस्जिद पहुंचकर एक जलसे में परिवर्तित हो जाएगा।

कमेटी ने प्रशासन से इस जलसा व जुलूस को सफल बनाने के लिए सहयोग और उचित सुरक्षा व्यवस्था की अपेक्षा की है। उन्होंने नगर पालिका से जनरेटर, पानी टैंकर और साफ-सफाई की व्यवस्था करने की मांग की, जैसा कि पिछले वर्षों में की जाती रही है।

इसके अतिरिक्त, एक मेडिकल कैंप और एक एम्बुलेंस की व्यवस्था के साथ-साथ 16 जनवरी को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था और अग्नि शमन (फायर ब्रिगेड) की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। इस मौके पर मो शाहिद मंसूरी, हाजी इमरान, तबरेज आलम, सलमान शेख सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंप सेल्समैन का मर्डर कर न्यूड लाश फेंकी

कानपुर ,एजेंसी। कानपुर में पेट्रोल पंप के सेल्समैन की ईंट से कूच कर हत्या कर दी गई। हत्यारे सेल्समैन की न्यूड लाश निराला नगर रेलवे मैदान पर फेंक कर चले गए। सेल्समैन की बॉडी से करीब 50 मीटर की दूरी पर उसके कपड़े पड़े हुए थे, उसकी बाइक में चाबी लगी हुई थी। सेल्समैन का दाहिना कूल्हा, चेहरा, गर्दन, पेट, बांया हाथ कुत्तों ने नोच डाला था। करीब 10 मीटर दूर ज्यादा खून पड़ा था, जिससे अंदाजा लगाया गया कि कई कुत्ते इस जगह से शव को घसीट कर ले गए। सोमवार तड़के मॉर्निंग वॉकर पर निकले लोगों ने न्यूड शव पड़ा देखा। इसी सूचना 112 नंबर पर पुलिस को दी। मौके पर DCP साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी, गोविंद नगर थाने की फोर्स के साथ पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके से खून से सनी हुई ईंट बरामद की। शव की पहचान नरवल के गांव पालेपुर निवासी राहुल अवस्थी (35) के रूप में हुई है। राहुल अवस्थी के पिता ने बताया- बेटे की 3 साल पहले शादी हुई थी। शादी के बाद से पत्नी से विवाद चल रहा था। पुलिस इस एंगल पर भी मामले की जांच में जुटी है। रमईपुर में हिंदुस्तान पेट्रोल पंप पर काम करता था पालेपुर गांव निवासी राम प्रकाश अवस्थी नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित ऑयल डिपो में गार्ड की नौकरी करते हैं।

प्रत्येक जीवात्मा प्रकृति के अधीन होता है और प्रकृति परमात्मा के अधीन : डॉ रजनीकांत द्विवेदी

जौनपुर,एजेंसी। यूपी के जौनपुर में कथा व्यास डॉ.रजनी कान्त द्विवेदी महाराज ने कहा, मानव जीवन का परम लक्ष्य परमात्मा को प्राप्त करना है, क्योंकि प्रत्येक जीवात्मा प्रकृति के अधीन होता हैं और प्रकृति परमात्मा के अधीन।

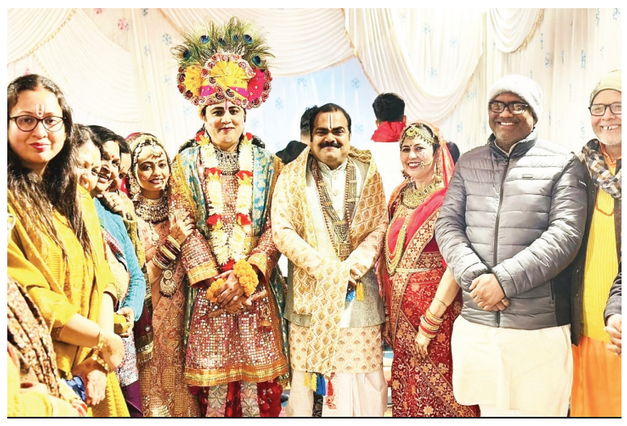

वह रविवार को जनपद के वरिष्ठ अधिवक्ता यादवेंद्र चतुर्वेदी के पुरानी बाजार स्थित आवास पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के विश्राम दिवस पर प्रवचन कर रहे थे।उन्होंने कहा कि इस संसार में वही दुखी है जो इस संसार में बने रहना चाहता है। क्योंकि इस संसार का नाम ही दुखालय है, कथा व्यास ने कृष्ण-सुदामा के चरित्र पर भी विस्तार से चर्चा की।कथा में राज्य सरकार के खेल व युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव श्रद्धालु के रूप में उपस्थित रहे।राज्य मंत्री श्री यादव ने उपस्थित जनों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन से सनातन धर्म का प्रचार प्रसार बढ़ता है।यहां आने वाले प्रत्येक माताएं, बहनें भाई और बुजुर्ग की सनातन धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है। ऐसे कार्यक्रम आयोजित करना आज की सबसे जरूरत बन गई है।राजकीय मेडिकल कॉलेज अंबेडकर नगर के निर्देशक डॉ अनिल त्रिपाठी, जेब्रा के अध्यक्ष संजय सेठ, गीतांजलि अध्यक्ष शशि श्रीवास्तव,नीरज, राजीव मोहन अग्रवाल, पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक बांके लाल सोनकर सहित कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।इससे पूर्व मुख्य यजमान जितेन्द्र चतुर्वेदी, यादवेन्द्र चतुर्वेदी,मधुकर चतुर्वेदी, मिलन चतुर्वेदी तथा मनोज चतुर्वेदी ने श्रीमद्भागवत जी का पूजन किया।

आईफोन के लिए 11वीं की छात्रा ने जान दी

झांसी,एजेंसी। झांसी में 11वीं की एक छात्रा ने आईफोन के लिए जान दे दी। वह कई दिनों से आईफोन दिलाने की जिद कर रही थी। आत्महत्या से पहले छात्रा ने अपने पिता को धमकी देते हुए कहा था- अगर दो दिन में आईफोन नहीं मिला तो देख लेना। उस वक्त पिता को उसकी धमकी समझ नहीं आई। शनिवार को जब माता-पिता काम पर चले गए, उसी दौरान छात्रा ने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे आनन-फानन में उरई मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। छात्रा की रविवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटी की मौत से पूरा परिवार आहत है। पिता ने कहा- मैं गरीब किसान हूं। आईफोन के लिए पैसे नहीं थे। पूरा मामला जालौन के डकोर थाना क्षेत्र के कुशमिलिया गांव का है।

पिता बोले- बेटी से कहा था मटर बेचकर रुपए दे दूंगा : कुशमिलिया गांव निवासी तुलसीराम राजपूत किसान हैं। उन्होंने बताया- मेरी दो बेटियां संतोषी और माया व एक बेटा मानवेंद्र है। बड़ी बेटी संतोषी की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी माया (18 साल) गांव के राजकीय इंटर

कॉलेज में 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। बेटा मानवेंद्र भी पढ़ाई करता है।

कुछ समय पहले माया का मोबाइल टूट गया था, जिसके बाद वह नया फोन दिलाने की मांग कर रही थी। वह कहती थी कि आपने बहन और भाई को मोबाइल दिला दिया है, अब मुझे भी नया मोबाइल चाहिए। माया एक पुराना आईफोन मांग रही थी, जिसकी कीमत करीब 40 हजार रुपए थी।

प्रचंड ठंड में भी जारी रहा सीएम योगी का जनसेवा अनुष्ठान

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश, संवेदनशीलता और तत्परता से करें जन समस्याओं का निराकरण

गोरखपुर,एजेंसी। जनता के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रचंड ठंड में भी सोमवार को जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। प्रतिकूल मौसम के बावजूद उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराएंगे, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जहां पैमाइश की जरूरत हो, वहां पैमाइश कराकर विवाद का निस्तारण कराया जाए। पारिवारिक विवाद के मामलों में उन्होंने उभयपक्षों के साथ संवाद कर समाधान की राह निकालने के लिए निर्देशित किया।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

माघ मेला में कल्पवासियों का निर्धारित मार्गों से होगा प्रवेश, वाहनों के आवागमन का लागू होगा परिवर्तन

प्रयागराज,एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध संगम तट पर आगामी तीन जनवरी से माघ मेला की शुरुआत होनी है। मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा की भी रणनीति बनाई गई है। मेला में बड़ी संख्या में कल्पवासियों के आगमन को देखते हुए अलग-अलग सात रूटों का मार्ग निर्धारित किया गया है। यह जानकारी सोमवार को माघ मेला नोडल प्रभारी डीसीपी यातायात नीरज पांडेय ने दी ।

उन्होंने बताया कि कल्पवासियों को शिविर में सामान उतारने के बाद निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही गाड़ियां खड़ी करने और निर्धारित मार्गों से आवागमन करने की अपील की है। उन्होंने अधिनस्थों को भी निर्धारित मार्ग का अनुपालन कराने का निर्देश दिया है।

झूंसी क्षेत्र के कल्पवासियों का मार्ग : नीरज पांडेय ने बताया कि जौनपुर की ओर से आने वाले कल्पवासी अपने हल्के वाहन के साथ सहसों-अंदावा मार्ग पर रहिमापुर तिराहे से दाहिने मुड़कर एजे मार्ग व ओल्ड जीटी रोड से लोअर संगम मार्ग से शिविर में प्रवेश करेंगे।

वाराणसी मार्ग कल्पवासी अपने हल्के वाहन के साथ अंदावा तिराहा, कटका तिराहा से दाहिने मुड़कर ओल्ड जीटी रोड से लोअर संगम मार्ग के रास्ते प्रवेश कर सकेंगे।

मिर्जापुर एवं चित्रकूट-रीवां मार्ग : कल्पवासी अपने हल्के वाहन के साथ लेप्रोसी चौराहा, बांगड़ चौराहा, जीटी जवाहर चौराहा फ्लाईओवर, शास्त्री ब्रिज, कटका तिराहा से बांए मुड़कर ओल्ड जीटी रोड से होते हुए लोअर संगम मार्ग के रास्ते प्रवेश करेंगे।

प्रयागराज शहर व कानपुर मार्ग कानपुर मार्ग व प्रयागराज शहर क्षेत्र से आने वाले कल्पवासी हल्के वाहन के साथ जीटी जवाहर चौराहा से ओल्ड जीटी रोड थाना दारागंज के सामने से होते हुए पांटून पुल संख्या पांच से झूंसी क्षेत्र में लोअर संगम मार्ग के रास्ते पहुंचेंगे।

लखनऊ एवं अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग : लँखनऊ-अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग से आने वाले कल्पवासी हल्के वाहन के साथ बसना नाला पुल पार कर पुराना फाफामऊ बाजार, थरवई-सहसों-अंदावा मार्ग पर रहिमापुर तिराहे से दाहिने मुड़कर एजे मार्ग के रास्ते ओल्ड रोड होते हुए लोअर संगम मार्ग से आएंगे।

इसी तरह लखनऊ-अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग से आने वाले कल्पवासी हल्के वाहन के साथ चंद्रशेखर आजाद सेतु को पार कर बाएं लूप (मेंहदौरी पुलिस चौकी) रिवर फ्रंट मार्ग से बाएं मुड़कर पांटून पुल संख्या पांच से झूंसी क्षेत्र से लोअर संगम मार्ग से प्रवेश करेंगे।

लखनऊ-अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग से आने वाले कल्पवासी हल्के वाहन के साथ चंद्रशेखर आजाद सेतु होते हुए एमएनएनआईटी तिराहा, मजार तिराहा से बांए मुड़कर आईईआरटी फ्लाईओवर से रिवर फ्रंट मार्ग से बाएं मुड़कर पांटून पुल संख्या पांच से झूंसी क्षेत्र के लोअर संगम मार्ग आएंगे।